(2) Upper Sileru H.E. Project Stage-I Estimated cost—Rs. 895·58 lakhs.

(c) Mysore:

(1) Sharvathy H.E. Scheme Stage-I Estimated cost—Rs. 3799·38 lakhs.

Madras:

(1) Pykara Dam Power House Scheme. Estimated cost—Rs. 30·00 lakhs.

(2) Papanasam Dam Power House Scheme. Estimated cost—Rs. 41·00 lakhs.

Maharashtra:

(1) Purna Multipurpose Project Estimated cost—Rs. 1455·85 lakhs.

(d) Andhra Pradesh:

(i) Machkund H.E. Project (80·75 MW).

(ii) Tungabhadra Right Bank Hydro Project (36 MW).

(iii) Ramagundam Thermal Power Station (37·5 MW).

Mysore:

(i) Tungabhadra Right Bank Hydro Project (36 MW).

(ii) Tungabhadra Left Bank Hydro Station (Munirabad) (18 MW).

Madras:

(i) Periyar H.E. Project (105 MW).

(ii) Kunda H.E. Project (180 MW).

(iii) Madras Thermal Station Extension Stage-III (30 MW).

Maharashtra:

(i) Ballarshah Thermal Power Station (15·5 MW).

(ii) Khaparkheda Thermal Power Station Extension (30 MW).

(iii) Paras Thermal Power Station (30 MW).

(iv) Chola (Kalyan) Thermal Power Station Extension (18 MW).

(v) Trombay Thermal Power Station (187·5 MW) (Private Sector).

(vi) Koyna Hydro-Electric Project (60 MW) (1st Set of Koyna Stage I).

Srisailam Hydro Electric Scheme

2104. **Shri Kolla Venkaiah:**
Shrimati Lakshmikanthamma:
Shri E. Madhusudan Rao:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) when the Srisailam Hydro Electric Scheme included in the Third Plan, was submitted to the Central Government by the State Government;

(b) whether the Planning Commission has asked the State Government to split up the scheme into two independent Project schemes, (Nagarjunasagar Hydro Electric Scheme and Srisailam Hydro Electric Scheme);

(c) what is the estimate of additional expenditure for undertaking the two projects separately; and

(d) whether the Planning Commission is aware that serious difficulties of constructions will arise in regard to foundations of Srisailam if Nagarjunasagar dam is completed?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation & Power (Shri Alagesan): (a) The combined report for the Srisailam and Nagarjunasagar Hydro-Electric schemes was received on 27-11-1959. A separate project report for Srisailam has not yet been received.

(b) Yes.

(c) A small additional expenditure may be involved in undertaking these two schemes independently.

(d) Yes, but the reservoir to be created by Nagarjunasagar Dam is not

likely to interfere with the excavation work of foundations at Srisailam for about 2 years and proper arrangements can be made in time.

कोयला ले जाने के लिए ट्रकों का निर्माण

२१०५. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेल यातायात के भार को हल्का करने के ख्याल से सड़क द्वारा कोयले और अन्य माल की ढुलाई के लिए १० से २० टन तक की क्षमता वाले भारी ट्रक बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो इस प्रस्तावित योजना का विवरण क्या है ;

(ग) क्या सरकार यह भी समझती है कि सड़कों पर बने मौजूदा पुल इन भारी ट्रकों का भार संभाल लेंगे, यदि नहीं तो इन पुलों आदि को मजबूत करने के काम में कितना समय लगेगा ;

(घ) इन ट्रकों का कितना मूल्य बैठेगा और इसी प्रकार का काम देने वाले अन्य ट्रकों की तुलना में इनका मूल्य ठीक रहेगा ;

(ङ) इन ट्रकों को बनाने वाले कारखानों और मशीनों आदि के लिए कितनी विदेशी मुद्रा की आवश्यकता होगी ; और

(च) क्या सरकार यह समझती है कि मोटर, ट्रक आदि बनाने के वाले मौजूदा भारतीय कारखाने ऐसे ट्रक बनाने में असमर्थ हैं?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में नौवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क), (ख) (घ), (ङ) और (च) : रेल पर पड़ने वाले बोझ को कम करने के लिये सड़क द्वारा कोयले की ढुलाई के प्रश्न पर खान और इंधन मंत्रालय विचार कर रहा है। इस प्रयोजन के लिए ६ से ७ टन भारयोग वाली मौजूदा ट्रकों से काम शुरू किया जायगा ; देश में लग भग ११ टन भारयोग की ट्रक-ट्रेलर की मिली जुली भारी परिवहन की गाड़ियां भी बनायी जा रही हैं। बाद में जब सड़क द्वारा कोयले का परिवहन स्थायी हो जायेगा तब इन से भी भारी लगभग २० टन भारयोग की गाड़ियों के बनाने पर विचार किया जायगा उसी समय विदेशी मुद्रा के प्रश्न पर भी विचार कर लिया जायेगा।

(ग) जहां तक राष्ट्रीय राजमार्गों का सम्बन्ध है सभी नये निर्माण किये हुए पुल १० से २० टन तक की भार वाली गाड़ियों के लिए काफी मजबूत हैं। फिर भी राष्ट्रीय राजमार्गों में कई ऐसे पुराने पुल मौजूद हैं जो इतना भार बरदाश्त नहीं कर सकते हैं। उन की भार वहन क्षमता को निश्चित रूप से जानने के लिए और कुछ मुख्य मार्गों पर कमजोर पुलों को बदलने या उन का पुनर्निर्माण करने के लिए भारत सरकार ने प्रदेश सरकारों से निवेदन किया है कि वे अपने प्रदेशों में इन मार्गों का सर्वेक्षण करें। यह सर्वेक्षण जारी है। आंकड़े एकत्रित हो जाने पर इस विषय पर और आगे विचार किया जायेगा और कमजोर पुलों को बदलने तथा उन के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में कार्यवाही की जायगी। प्रदेश सरकारों से प्रदेश राजमार्गों के सम्बन्ध में इसी प्रकार का सर्वेक्षण करने तथा उन राजमार्गों के कमजोर पुलों को बदलने और उन के पुनर्निर्माण के लिए समुचित कार्यवाही करने के लिए भी निवेदन किया गया है।

Airstrip near Nabha

2106. **Shri Yashpal Singh:**
Shri Ram Ratan Gupta:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether the Punjab Government have taken over a well built airstrip near Nabha recently; and

(b) if so, whether any permission was taken from the Centre?